सांध्य दैनिक 4PM

लोग अपने कर्तव्य भूल जाते हैं लेकिन अपने अधिकार उन्हें याद रहते हैं। -इंदिरा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 10 • अंक: 08 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 9 फरवरी, 2024

फाइनल में भारत के सामने होंगे... 7 | महाराष्ट्र में फिर सियासी वार... 3 | योगी बताएं कौरव कौन ... 2

भारत रत्न के जरिए चुनावी प्रयत्न

- केंद्र सरकार ने की पूर्व पीएम नरसिम्हा राव चौधरी चरण सिंह व वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा
- रालोद प्रमुख जयंत चौधरी बोले- दिल जीत लिया
- पीएम मोदी ने बताया सरकार का सौभाग्य
- अब जयंत के एनडीए में जाने की बढ़ीं संभावनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। ऐसे में अब देश का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच केंद्र की मोदी सरकार लगातार सम्मानों के जरिए भी सियासी समीकरण साधने का प्रयास कर रही है। पिछले दिनों बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर भाजपा ने बिहार में ओबीसी समुदाय को साधने का प्रयास किया था। इसके बाद अपनी ही पार्टी के वरिष्ठतम नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न का ऐलान कर मोदी ने पार्टी के अंदर आडवाणी समर्थकों की नाराजगी को दूर करने का प्रयास किया। अब आज केंद्र सरकार की ओर से तीन और शख्सियतों को भारत रत्न देने का ऐलान किया गया है। इन हस्तियों में पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का नाम शामिल है।

अब एक बार फिर भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी ने भारत रत्न के जरिए सियासी समीकरण साधे हैं। दरअसल, चौधरी चरण सिंह रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के बाबा हैं और रालोद की ओर से पिछले काफी लंबे वक्त से चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग की जा रही है। ऐसे में अब जब राष्ट्रीय लोकदल के भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में जाने की चर्चा चल रही है, तब चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का ऐलान कर भाजपा ने जयंत को लेकर एक बड़ा दांव चला है।

इस दांव के बाद ऐसा माना जा रहा है कि जयंत जल्द ही एनडीए में जाने की घोषणा कर सकते हैं। क्योंकि एनडीए में शामिल होने पर चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देना आरएलडी की एक शर्त भी थी।

वहीं चरण सिंह को भारत रत्न देकर भाजपा ने किसानों को लुभाने का भी प्रयास किया है। क्योंकि चुनाव से पहले किसान एक बार फिर आंदोलन कर सकते हैं। ऐसे में मोदी का यह दांव किसानों को प्रभावित कर सकता है।

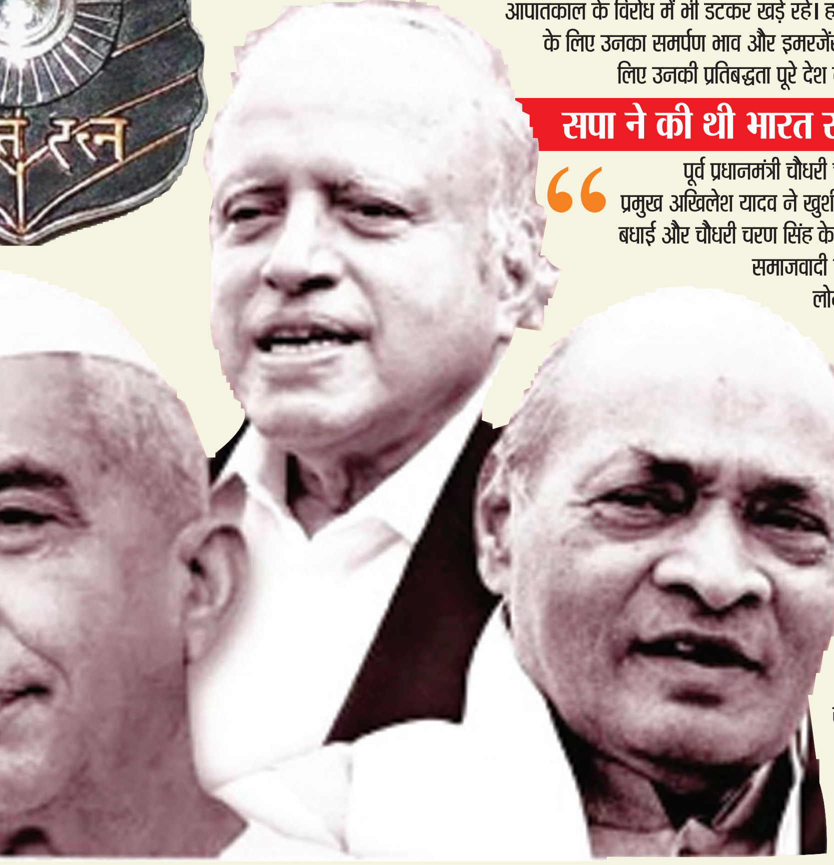

किसानों के अधिकार के लिए समर्पित किया अपना जीवन: मोदी

"पीएम मोदी ने चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर कहा कि हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है।

सपा ने की थी भारत रत्न देने की मांग : अखिलेश

"पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुशी जताते हुए कहा कि बहुत बधाई और चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न की मांग समाजवादी पार्टी ने की थी। जितने भी लोगों को भारत रत्न मिला है। मैं उनको बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

जयंत ने जताई खुशी

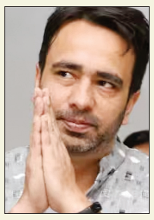

"दरअसल रालोद के मुखिया जयंत चौधरी के दादा और किसानों के मसीहा तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को काफी समय से भारत रत्न देने की मांग उठ रही थी। ऐसे में दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर खुशी जताते हुए रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने प्रधानमंत्री की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, 'दिल जीत लिया।'

सीएम हिमंत की हवाई यात्रा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

सांसद गौरव गोगोई ने की इस मामले पर लोकसभा में चर्चा करने की मांग, गैर-सरकारी उद्देश्यों सहित हवाई यात्रा पर खर्च हुए 58 करोड़ से अधिक रुपए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

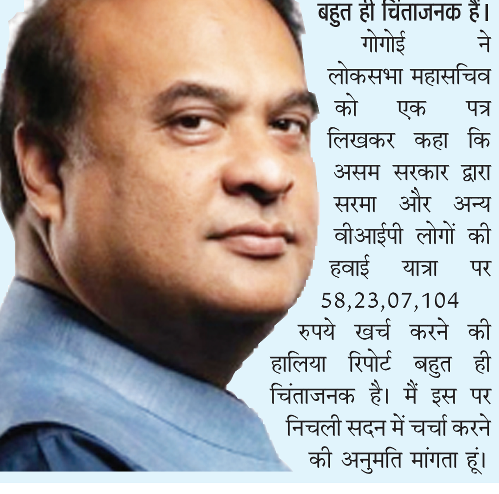

नई दिल्ली। असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की हवाई यात्रा पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद ने सीएम की यात्रा पर असम सरकार द्वारा किए गए खर्च पर सवाल दागे हैं। गोगोई ने आज लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश करते हुए इस मामले पर निचले सदन में चर्चा करने की मांग की। कलियाबोर से कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और अन्य वीआईपी लोगों के लिए गैर-सरकारी उद्देश्यों सहित हवाई यात्रा पर खर्च किए गए 58,23,07,104 रुपये बहुत ही चिंताजनक हैं।

गोगोई ने लोकसभा महासचिव को एक पत्र लिखकर कहा कि असम सरकार द्वारा सरमा और अन्य वीआईपी लोगों की हवाई यात्रा पर 58,23,07,104 रुपये खर्च करने की हालिया रिपोर्ट बहुत ही चिंताजनक है। मैं इस पर निचली सदन में चर्चा करने की अनुमति मांगता हूं।

इतनी बड़ी राशि का प्रयोग गंभीर चिंताएं पैदा करता है

कांग्रेस सांसद ने कहा कि इतनी बड़ी राशि का उपयोग असम में महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं या सामाजिक कल्याण पहलों के लिए किया जा सकता था। मुख्यमंत्री की यात्रा के लिए इसका आवंटन, विशेष रूप से गैर-सरकारी उद्देश्यों के लिए वित्तीय प्राथमिकताओं और जवाबदेही के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है। गोगोई ने आरोप लगाया कि कुछ चार्टर्ड विमानों का इस्तेमाल असम के बाहर राजनीतिक कार्यक्रमों और शादियों में शामिल होने के लिए किया गया।

शादियों में जाने के लिए किया गया चार्टर्ड प्लेन का इस्तेमाल

गोगोई ने कहा कि मीडिया की खबरों के अनुसार, कुछ चार्टर्ड विमानों का इस्तेमाल असम के बाहर राजनीतिक कार्यक्रमों और शादियों में शामिल होने के लिए किया गया, जो चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक संसाधनों का दुरुपयोग करना जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि किसी वीआईपी यात्रा पर इस तरह का खर्च अन्य राज्यों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा।

यह मामला नैतिक शासन को बनाए रखने और भविष्य में इस तरह के दुरुपयोग को रोकने का है। इसे रोकने के लिए तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

योगी बताएं कौरव कौन : अखिलेश

» सीएम ने कहा था- पांडवों ने भी पांच गांव मांगे थे, हम तो सिर्फ अयोध्या, काशी व मथुरा ही मांग रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सपा प्रमुख ने मुख्यमंत्री के बयान पर किया पलटवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस समय बजट सत्र चल रहा है। इस सत्र में विधानसभा में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच जबरदस्त जुबानी जंग देखने को मिल रही है। अब ये जुबानी जंग महाभारत काल में पहुंच चुकी है। सीएम योगी को जवाब देते हुए और उनके बयान पर पलटवार करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम योगी बताएं कि कौरव कौन हैं। यह कौन तय करेगा कि पांडव कौन और कौरव कौन है। हमारे लिए संविधान और कोर्ट सबसे बड़ी है।

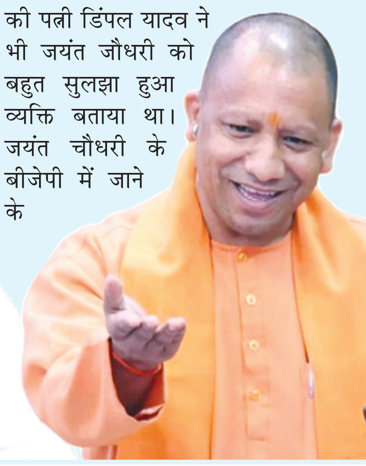

दरअसल, विधानसभा सत्र के दौरान बुधवार को योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि हमने तो केवल तीन जगह मांगी है। योगी ने कहा था कि अयोध्या के साथ अन्याय हुआ है। पांडवों के साथ भी अन्याय हुआ था। उस समय भगवान कृष्ण कौरवों के पास गए थे और उन्होंने केवल पांच गांव मांगे थे। हम तो अयोध्या, काशी मथुरा मांग रहे हैं। इसी बयान पर अखिलेश ने पलटवार किया है। वहीं अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि जयंत जी बहुत सुलझे हुए व्यक्ति हैं। मुझे उम्मीद है कि किसानों की लड़ाई के लिए जो संघर्ष चल रहा है, वे कमजोर नहीं होने देंगे। अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने भी जयंत जौधरी को बहुत सुलझा हुआ व्यक्ति बताया था। जयंत चौधरी के बीजेपी में जाने के बयान पर रालोद का बयान भी सामने आ गया है। 11 फरवरी को उत्तर प्रदेश के विधायकों के अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए जाने के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा के विधायक भगवान राम बुलाएंगे तब अयोध्या जाएंगे। सरकार या विधानसभा अध्यक्ष के बुलाने पर अयोध्या नहीं जाएंगे।

जो किसानों के हित की बात करेगा, उसके साथ लड़ेंगे चुनाव : रालोद

रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन आगरी ने कहा कि चुनावी वर्ष है, बहुत सारी पार्टियां हमारे साथ गठबंधन के लिए आ रही हैं। भाजपा के द्वारा पिछली बार भी गठबंधन की पेशकश की गई थी, इस बार भी पेशकश की जा रही है। वे 4 सीटों की बात कर रहे हैं लेकिन हमने 12 लोकसभा सीटों पर तैयारी की है। इस बात का निर्णय हम लेंगे कि हम किसके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। जो पार्टी जनता और किसानों की हित के लिए हमारी मांगों पर सहमत होगी, हम उनके साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे।

बीजेपी ऐसे प्रचारित करती है जैसे राम पहले थे ही नहीं : स्वामी

» सपा नेता ने कहा- प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भाजपा का था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विधान परिषद में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर टिप्पणी की तो भाजपा के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। वो सदन की कार्यवाही रोककर राम मंदिर पर चर्चा कराने की मांग करने लगे। दरअसल, स्वामी प्रसाद ने कहा कि भाजपा सरकार ऐसा प्रचारित कर रही है, जैसे राम पहले थे ही नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि राम की हजारों साल से पूजा होती रही है।

उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम भाजपा का था। इसकी वजह से लाखों लोगों को वहां जाने से रोक दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राम पहले से मौजूद हैं तो अरबों रुपया खर्च करने की क्या जरूरत थी? सपा नेता के इसी बयान पर भाजपा सदस्यों ने विरोध जताया। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ सपा सदस्य को हाईकोर्ट जाना चाहिए।

विपक्षी नेताओं को झूठे आरोपों में फंसा रही केंद्र सरकार : सौरभ

» पीएमएलए एक्ट का हो रहा गलत इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा सरकार हमलावर है और सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग व विपक्ष को फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगा रही है। अब एक बार फिर आप के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी पार्टियों के नेताओं को झूठे मुकदमों में फंसा रही है। वह जानबूझकर पीएमएलए एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज करा रही है। पीएमएलए एक्ट आतंकवादियों और ड्रग माफियाओं से समाज और देश को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था।

भारद्वाज ने कहा कि ऐसा कानून मानवता को बचाने और देश की अखंडता और सुरक्षा को बचाने के लिए बनाया गया था, लेकिन अब केस को प्रिडिकेट ऑफेंस बनाकर पीएमएलए के तहत एक मुकदमा दर्ज कर लिया जाता है और ऐसा करके ईडी किसी के भी घर में घुस रही है।

भाजपा कर रही जांच एजेंसियों का दुरुपयोग

पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से भाजपा शासित केंद्र सरकार ने पूरे देश में एक ऐसा माहौल बना रखा है कि जिस किसी को भी भाजपा शासित केंद्र सरकार और केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां किसी भी झूठे मामले में पूछताछ के लिए बुला ले, तो वह देश का सबसे भ्रष्ट आदमी हो जाता हैद्ध उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है, कि किस प्रकार से झूठी पटकथाएं लिखकर भाजपा द्वारा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

यूपी बजट में किसानों और महिलाओं के लिए कुछ भी नहीं : रालोद

» भाजपा से गठबंधन के बीच आरएलडी ने बजट पर उठाए सवाल

» बीजेपी सरकार में खत्म हो गया पशुपालन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में इस समय जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल को सियासत काफी गरमाई हुई है। पिछले कुछ वक्त से रालोद के भाजपा समर्थित एनडीए गठबंधन में जाने की चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब इन चर्चाओं के बीच रालोद ने विधानसभा में भाजपा सरकार को बजट पर घेरा। शामली के रालोद विधायक प्रसन्न कुमार ने सत्र के दौरान सरकार के बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि बजट में किसानों, युवाओं व महिलाओं के लिए कुछ भी नहीं है। ऐसी कोई भी योजना नहीं है जिससे महिलाओं की रसोई के खर्चे कम हो सकें। रालोद विधायक प्रसन्न कुमार ने कहा कि यूरिया की बोरी से 10 किलो की चोरी किसानों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि इस बजट में किसानों के लिए कोई भी सुविधा व युवाओं के लिए कोई भी कार्य दिखाई नहीं दे रहे हैं। भाजपा सरकार को कोसते हुए कहा कि किसान अब पशुओं को नहीं पाल रहे हैं। पशुपालन उद्योग खत्म हो गया है।

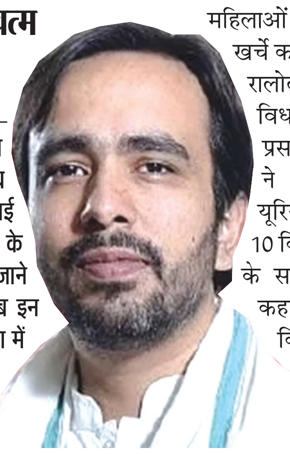

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग

विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह व पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भारत रत्न देने की मांग उठी। चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग शामली के विधायक प्रसन्न कुमार व फतेहपुर सीकरी के भाजपा विधायक बाबूलाल ने की। वहीं, स्याना के भाजपा विधायक देवेन्द्र सिंह लोधी ने कल्याण सिंह को भारत देने की मांग की।

12 फरवरी को एनडीए में शामिल होगी रालोद : राजभर

उत्तर प्रदेश में एनडीए और आइएनडीआइए गठबंधन में पालाबंदी तेज हो गई है। रालोद की भाजपा के साथ गठबंधन की चल रही चर्चाओं के बीच एनडीए के सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को पत्रकारों के सामने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी 12 फरवरी को एनडीए में शामिल हो जाएंगे।

भाजपा का महंगाई कम करने का दावा निकला झूठा: पायलट

» कांग्रेस महासचिव ने राजस्थान सरकार के बजट को बताया भ्रामक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा कल राजस्थान का बजट पेश किया गया। इस बजट पर अब पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बात करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता पिछले दो महीने से पेट्रोल-डीजल के दामों में वैट की दरों के कम होने का इंतजार कर रही है लेकिन सरकार द्वारा प्रस्तुत लेखानुदान में इसका कहीं भी उल्लेख नहीं है।

सरकार का यह बजट भाजपा के महंगाई कम करने के वादों को झूठा साबित करता है। पायलट ने बिजली कंपनियों के घाटे की बात करते हुए कहा कि सरकार ने बिजली कंपनियों में कुल सवा लाख करोड़ का घाटा तो बता दिया, लेकिन सरकार इसके निराकरण के लिए क्या कदम उठाने वाली है इसके लिए कोई योजना प्रस्तुत नहीं की। अवैध बजरी के खनन को रोकने के सरकार के अभियान पर कांग्रेस नेता ने कहा कि बजरी के अवैध खनन को रोकने के लिए सरकार अभियान तो चला रही है लेकिन आम आदमी को निर्माण के लिए बजरी नहीं मिल रही है।

महाराष्ट्र में फिर सियासी वार-पलटवार

भाजपा विधायक व भुजबल अपनी ही सरकार पर हमलावर

» उद्धव गुट ने भाजपा-शिंदे सरकार को घेरा

» शरद गुट राकांपा ने कहा सरकार कर रही मनमानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीति फिर गर्म हो गई है। जहां मराठा आरक्षण मामले में छगन भुजबल ने शिंदे सरकार पर हमला बोला है तो वहीं भाजपा के एक विधायक ने उन पर अपराधियों का संरक्षण प्रदान करने वाला बता दिया है। इन सबके बीच वहां की शिंदे सरकार विपक्ष के हमले पर आ गई है। दरअसल मराठा आरक्षण को ओबीसी के कोर्ट से आरक्षण देने को लेकर अजित गुट के राकांपा के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने इस्तीफा देने का मन बनाया है। भाजपा ने इन बातों को खारिज कर दिया। उधर शिवसेना उद्धव गुट के संजय राउत ने कहा भाजपा व राकांपा मिलकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं।

वहीं महाराष्ट्र के भाजपा विधायक गणपत गायकवाड ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र में अपराधियों का साम्राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं, तो महाराष्ट्र में केवल अपराधी पैदा होंगे। उन्होंने आज मेरे जैसे अच्छे मनुष्य को अपराधी बना दिया। भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के बेटे एवं कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे पर बोर्ड लगाकर उनके द्वारा किए गए काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार का एक आरोप लगाया है। एकनाथ शिंदे ने उस भ्रष्टाचार में कितना पैसा कमाया, शिंदे को बताना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपने वरिष्ठों को कई बार बताया था कि ये लोग मेरे नेताओं के खिलाफ हिंसा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक भूमि विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक द्वारा गोली चलाने के बाद शिवसेना के एक स्थानीय नेता को कई गोलियां लगीं। इसके बाद विपक्ष ने राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। ठाणे जिले के कल्याण के विधायक गणपत गायकवाड (56) ने गोली चलाने की बात स्वीकार करते हुए एक बताया कि शुक्रवार रात हुई घटना के दौरान पुलिस की मौजूदगी में उनके बेटे को पीटा जा रहा था, जिससे वह उत्तेजित हो गए। गायकवाड और उनके दो सहयोगियों को शनिवार शाम एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और अदालत ने तीनों को 14 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। गणपत गायकवाड ने कहा, हां, मैंने खुद (उन्हें) गोली मारी। मुझे कोई पछतावा नहीं है। यदि मेरे बेटे को पुलिस थाने के अंदर पुलिस के सामने पीटा जा रहा है, तो मैं क्या करूंगा। गणपत गायकवाड ने गोलीबारी की वजह बने जमीन विवाद के बारे में कहा कि उन्होंने 10 साल पहले एक भूखंड खरीदा था। उन्होंने कहा कि कुछ कानूनी मसले थे लेकिन उन्होंने अदालत में मामला जीत लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि महेश गायकवाड ने हालांकि जमीन पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया। विधायक ने कहा कि उनका बेटा जमीन के संबंध में एक शिकायत दर्ज कराने उल्हासनगर के पुलिस थाने गया था। उन्होंने कहा, मुझे कतई पछतावा नहीं है। एक पिता के तौर पर, मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि कोई मेरे बच्चे को पीटे।

विधायक ने कहा, शिंदे साहब ने उद्धव (ठाकरे) साहब को धोखा दिया, वह भाजपा को भी धोखा देंगे... उन पर मेरे करोड़ों रुपए बकाया हैं। अगर महाराष्ट्र का प्रबंधन अच्छे तरीके से करना है तो शिंदे को इस्तीफा देना होगा। यह देवेंद्र फडणवीस (उपमुख्यमंत्री) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मेरा विनम्र अनुरोध है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गणपत गायकवाड और उनके सहयोगियों हर्षल केने और संदीप सरवनकर (45) को भारतीय दंड संहिता की धारा 7 और 120बी के तहत गिरफ्तार किया है।

सबको बेवकूफ बना रही बीजेपी : राउत

शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं सांसद संजय राउत ने भुजबल के इस खुलासे को बेकार की बात करार दिया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल से अपना इस्तीफा पिछले साल नवंबर में दे दिया था। राउत ने कहा, ऐसा बताया जा रहा है कि (कार्यकर्ता) मनोज जरांगे द्वारा मराठा आरक्षण आंदोलन चलाने के खिलाफ भुजबल के गुस्से के पीछे (उपमुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस का हाथ है। दोनों मिले हुए हैं। मैं इस्तीफा दे दूंगा लेकिन आप इसे स्वीकार नहीं करेंगे या आप इस्तीफा दे देंगे लेकिन हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। राज्यसभा सदस्य ने पूछा कि भुजबल का इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है या उपमुख्यमंत्री फडणवीस के पास। उन्होंने कहा, हमारा विचार है कि सभी समुदायों को उनके अधिकार मिलने चाहिए, लेकिन दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करने की कीमत पर नहीं। उन्होंने कहा कि भुजबल का भी यही कहना है।

राकांपा (शरद गुट) का अजित पर हमला

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार पर उनकी आयु की ओर इशारा करते हुए परोक्ष रूप से कटाक्ष किया और आखिरी चुनाव की भावनात्मक अपील की बात की। राकांपा के शरद पवार गुट ने पलटवार करते हुए दावा किया कि ए टिप्पणी अमानवीय हैं और इसने राज्य के उपमुख्यमंत्री पर पार्टी संस्थापक शरद पवार की मृत्यु के लिए प्रार्थना करने का आरोप भी लगाया। अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में राकांपा में बगावत करके पार्टी को विभाजित कर दिया था तथा आठ विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार ने तब से अपने विद्रोह को लगातार यह कहते हुए उचित ठहराया है कि वरिष्ठों को अगली पीढ़ी को रास्ता देना चाहिए था। अजित पवार का यह इशारा परोक्ष रूप से शरद पवार की ओर था। नाम लिए बिना शरद पवार पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, पता नहीं कुछ लोग कब रुकेंगे। हो सकता है कोई भावुक अपील की जाए किए आखिरी चुनाव होगा। पता नहीं कौन सा

आखिरी चुनाव होगा। वह पुणे जिले के बारामती में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने पलटवार करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री ने अपनी टिप्पणी से शालीनता की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। आव्हाड ने कहा, अजित पवार को अपनी अमानवीय टिप्पणियों के बारे में अवश्य सोचना चाहिए, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर शरद पवार की मृत्यु के लिए प्रार्थना की है। महाराष्ट्र को अब पता चल गया है कि अजित पवार किस तरह के आदमी हैं। आव्हाड ने कहा कि महाराष्ट्र में शरद पवार का योगदान हमेशा बरकरार रहेगा।शरद पवार 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध से विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपराजित रहे हैं और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं। उपमुख्यमंत्री ने जनसभा में अपने गुट की लोकसभा योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, आपने इतने सालों तक एक वरिष्ठ की बात सुनी। अब मेरी बात सुनें और उस लोकसभा उम्मीदवार को वोट दें जिसे मैं खड़ा करने जा रहा हूं। मैं फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बता सकता हूं कि लोगों ने मेरे उम्मीदवार को वोट दिया है। यह मत भूलिए कि जब आप मुसीबत में थे तो मदद के लिए कौन आया था। बारामती से विधायक अजित पवार ने यह भी कहा कि यदि आप अच्छा काम करना चाहते हैं, तो आपको इसके लिए कुछ आलोचना स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

महाराष्ट्र की बीजेपी व शिंदे बिगाड़ रहे माहौल : पटोले

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है और मुख्यमंत्री शिंदे को इस्तीफा दे देना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने इस घटना को चिंताजनक बताया और कहा कि सत्ता के दुरुपयोग की भी एक सीमा होती है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस घटना के लिए शिंदे को जिम्मेदार ठहराया। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सवाल किया कि क्या गृहमंत्री (फडणवीस) ने भाजपा नेताओं को कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने का खुला लाइसेंस दे दिया है, राज्य के मंत्री छगन भुजबल (राकांपा-अजित पवार समूह) ने आरोप का प्रतिवाद किया और सवाल किया, क्या फडणवीस ने विधायक से गोली चलाने के लिए कहा था?

भुजबल कहीं नहीं जा रहे : फडणवीस

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के वरिष्ठ नेता और राज्य कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने खुलासा किया कि उन्होंने पिछले साल 16 नवंबर को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपनी ही सरकार पर मराठा समुदाय को ओबीसी कोटा में पिछले दरवाजे से आरक्षण देने का आरोप लगाया है। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री इस पर स्पष्टीकरण दे पाएंगे, लेकिन मैं अभी केवल इतना ही कह सकता हूं कि भुजबल का इस्तीफा मैंने या मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जनता को इस 'ब्लैक' एंड 'व्हाइट' से क्या लाभ...

> सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का ही ये काम ये है कि जनता के हितों की बात करें और देश के हित में काम करें। लेकिन वर्तमान समय में देश की सियासत काफी बदल गई है। अब इस देश में सरकार जनता के लिए काम नहीं करती, बल्कि जनता सरकार के लिए काम करती है। अब विपक्ष सत्ता से सवाल नहीं कर सकता, क्योंकि अगर विपक्ष ने सत्ता से सवाल कर दिया तो या तो वो विपक्षी नेता जेल में होगा या फिर उसके पीछे ईडी-सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियां लग जाएंगी।

देश की संसद का निर्माण इसलिए हुआ है कि जिन सांसदों व नेताओं को चुनकर जनता संसद भेजे वो वहां जाकर जनता के मुद्दों को उठाएं, लोगों की समस्याओं को बताएं और जो सत्ता में हैं वो उन समस्याओं का निवारण करें। संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष होते ही इसीलिए हैं कि अगर सरकार कोई काम ढंग से नहीं कर रही है तो विपक्ष सत्ता से सवाल करे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का ही ये काम ये है कि जनता के हितों की बात करें और देश के हित में काम करें। लेकिन वर्तमान समय में देश की सियासत काफी बदल गई है। अब इस देश में सरकार जनता के लिए काम नहीं करती, बल्कि जनता सरकार के लिए काम करती है। अब विपक्ष सत्ता से सवाल नहीं कर सकता, क्योंकि अगर विपक्ष ने सत्ता से सवाल कर दिया तो या तो वो विपक्षी नेता जेल में होगा या फिर उसके पीछे ईडी-सीबीआई जैसी सरकारी एजेंसियां लग जाएंगी। दूसरी ओर विपक्ष भी अब सदन से लेकर सड़क तक सरकार से जनता की समस्याओं को, उसके मुद्दों को नहीं उठाता है। न तो सरकार को जनता की पड़ी है और न ही विपक्ष को।

दोनों ही बस एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे हैं और किसी भी तरह से सत्ता हासिल करने के प्रयास में जुटे हैं। जनता के मुद्दों पर न सरकार ध्यान दे रही है और न ही विपक्ष उठा रहा है। संसद के मौजूदा बजट सत्र में एक ओर जहां कांग्रेस मोदी सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' लेकर आई। ये ब्लैक पेपर कांग्रेस मोदी सरकार के 10 साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों पर हुए अन्याय से जुड़े मुद्दों को लेकर आई। जिन मुद्दों पर कांग्रेस ब्लैक पेपर लेकर आई, उन मुद्दों को सदन या चुनाव में कांग्रेस ने उतनी ताकत के साथ नहीं उठाया, जैसे एक मजबूत विपक्ष को उठाना चाहिए। तब तो कांग्रेस आधे टाइम अडानी-अडानी का ही राग अलापती रही। जबकि जनता को अडानी नहीं बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और जमीन से जुड़े मुद्दों ने परेशान कर रखा है। अब एक ओर जहां कांग्रेस मोदी सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर लेकर आई, तो वहीं बदले में सरकार भी तुरंत यूपीए सरकार के 2004 से 2014 तक के कार्यकाल में हुए आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर 'व्हाइट पेपर' लोकसभा में ले आई। सरकार की ओर से लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया गया। यानी सरकार और विपक्ष ब्लैक एंड व्हाइट का खेल खेल रहे हैं और एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। लेकिन सवाल ये ही कि इस ब्लैक एंड व्हाइट पेपर के खेल में जनता का क्या लाभ? इस सबसे जनता को क्या मिलेगा? आखिर क्यों सरकार या विपक्ष कोई भी जनता के मुद्दों को नहीं उठाता, उसकी समस्याओं के निवारण के बारे में नहीं सोचता? जबकि असली फैसला जनता जनार्दन ही करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निकायों व जनता की जवाबदेही हो तय

ज्ञानेन्द्र रावत

जीवनदायिनी गंगा का जल अब पुण्य का नहीं वरन कष्ट का सबब बन गया है। यदि 1986 से गंगा की सफाई पर सरकार द्वारा किये गये खर्च को छोड़ भी दिया जाये तो देश में 2014 में मोदी के सत्तारूढ़ होने के बाद से केन्द्र ने लाखों करोड़ रुपये के बजट के साथ 409 परियोजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने नेशनल मिशन फार क्लीन रिवर गंगा को 2014-15 से 31 जनवरी, 2023 तक 14084.72 करोड़ की राशि जारी की है। 31 दिसम्बर, 2022 तक 32,912,40 करोड़ की लागत से 409 प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जा चुका है। इनमें 232 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं और 2026 तक के लिए केन्द्र सरकार ने 22,500 करोड़ की राशि की स्वीकृति भी दे दी है। उसके बावजूद गंगा नदी की सफाई का मुद्दा इतने सालों बाद आज भी अनसुलझा है। दुखदायी बात तो यह है कि गंगा के पूरे बहाव क्षेत्र के 71 फीसदी इलाके में कोलीफार्म की मात्रा खतरनाक स्तर पर पायी गयी है। जहां तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का सवाल है, उसके मुताबिक भी गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे गंदगी बहायी जा रही है। इसका परिणाम यह है कि गंगा का जल पीना तो दूर, वह अब आचमन लायक भी नहीं रह गया है।

मौजूदा हालात में गंगा जल को देश में चार जगहों यथा ऋषिकेश (उत्तराखंड), मनिहारी व कटिहार (बिहार), साहेबगंज व राजमहल (झारखंड) में ग्रीन कैटेगरी में रखा गया है। गौरतलब है कि ग्रीन कैटेगरी का मतलब यह है कि वहां का पानी कीटाणुओं को छानकर पीने में इस्तेमाल किया जा सकता है। जबकि उत्तर प्रदेश में तो 25 जगहों से ज्यादा का पानी ग्रीन कैटेगरी में शामिल है ही नहीं। इन जगहों पर गंगा जल को हाई लेवल पर साफ करने के बाद ही पीने योग्य बनाया जा सकता है। 28 जगहों का पानी तो नहाने लायक ही नहीं है। इसका सबसे ज्यादा और अहम कारण सॉलिड और लिक्विड वेस्ट है जो सीधे-सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। यूनिवर्सिटी आफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट के शोध में खुलासा हुआ है कि गंगा के किनारे लगते मैदानी इलाकों में प्रदूषण का स्तर बढ़ते जाने से लोगों की उम्र कम हो रही है।

अब तो यह भी साबित हो चुका है कि गंगा के पानी में घुले एंटीबायोटिक घातक साबित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी आफ यार्क के वैज्ञानिकों के शोध के निष्कर्षों के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र ने एंटीबायोटिक की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने को वर्तमान में स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या माना है। विडम्बना है कि गंगा से जुड़ी सरकारी संस्थाएं इस तथ्य को नजरअंदाज करती आ रही हैं। असलियत में धार्मिक भावना के वशीभूत होकर गंगा के पानी में बहुत बड़ी तादाद में लोग नहाते हैं। यही नहीं, उसके जल का आचमन भी करते हैं। इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया सीधे शरीर में प्रवेश कर जाता है और शरीर पर अपना असर दिखाने लगता है। उल्लेखनीय है कि गोमुख से लेकर गंगासागर में मिलने तक गंगा कुल 2525 किलोमीटर का रास्ता तय करती है। गंगा के इस सफर में कुल 445 किलोमीटर हिस्सा बिहार में पड़ता है। यहां 730 मिलियन लीटर सीवर का पानी बिना शोधन के सीधे गंगा में गिराया जा रहा है। यहां हानिकारक कीटाणुओं की तादाद इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है जिससे चर्म रोग होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां टोटल कोलीफार्म और फीकल कोलीफार्म का स्तर औसत से कई गुणा ज्यादा है। गंगा देश की संस्कृति और आस्था की पहचान है। लेकिन अब यह देशवासियों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती है। इसके जल के पान की बात तो दीगर है, इसमें स्नान भी सेहत के लिए चुनौती साबित हो रहा है। क्योंकि अधिकांश जगहों पर कोलीफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानकों से 45 गुणा

अधिक पायी गयी है। गंगा के प्रदूषित जल में जानलेवा बीमारियां पैदा करने वाले ऐसे जीवाणु मौजूद हैं जिन पर अब एंटीबायोटिक दवाओं का असर नहीं होता। हालिया अध्ययन इसके प्रमाण हैं जिन्होंने गंगा नदी बेसिन में माइक्रोप्लास्टिक के उच्च प्रसार का खुलासा किया है। माइक्रोप्लास्टिक बायोडिग्रेबल नहीं होता। वह पर्यावरण में जमा होता रहता है।

ये समुद्री, पारिस्थितिक तंत्र और मीठे पानी के तंत्र को प्रदूषित करते रहते हैं और कई सरीसृप, मीन और पक्षी प्रजातियों के लिए खतरा हैं। इनकी गंगा में मौजूदगी मानव स्वास्थ्य ही नहीं, प्राणिमात्र के लिए भीषण खतरा है। बीते माह ही एनजीटी ने गंगा में प्रदूषण सम्बंधी एक याचिका की सुनवाई के दौरान गंगा में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति जानने हेतु एक समिति के गठन को मंजूरी दी है ताकि इस सम्बंध में सही तथ्यात्मक स्थिति की जानकारी हो सके और तात्कालिक रूप से उपचारात्मक कार्रवाई हो सके।

सर्वधर्म समभाव मनुष्य होने की पहली शर्त

विश्वनाथ सचदेव

रामधुन गायी हो भले ही न गायी हो किसी ने, पर सुनी तो अवश्य होगी। 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम', यह शब्द कभी न कभी दिल से या मस्तिष्क से टकराये तो होंगे ही। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का प्रिय भजन था यह। बताया जा रहा है कि यह भजन मूलत: पंडित लक्ष्मणाचार्य ने लिखा था और उसमें 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' वाली पंक्ति नहीं थी। हो सकता है गांधी जी ने यह शब्द जोड़े हों। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इससे न तो मूल भजन की महत्ता कम होती है और न ही मूल भजन के प्रति किसी अवमानना का कोई भाव सामने आता है। कुछ सकारात्मक जुड़ ही रहा है इस पंक्ति से। देखा जाये तो यह 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' का ही एक रूप है। ईश्वर एक है उसे किसी भी नाम से पुकार लो, ध्वनि पहुंचेगी उसी एक जगह जहां वह है।

रोज सुबह अपनी प्रार्थना-सभा में ईश्वर अल्लाह तेरे नाम का संदेश देकर गांधी धर्म के नाम पर फैलती या फैलायी जा रही कटुता को समाप्त करने का संदेश ही दे रहे थे। पता नहीं मूल भजन में यह शब्द बापू ने जोड़े थे या किसी और ने पर जिसने भी जोड़े थे उसके प्रति हमें आभार व्यक्त करना चाहिए— इससे भजन को नया आयाम मिला है और जब हम कहते हैं, 'सबको सन्मति दे भगवान' तो इसका सिर्फ एक ही अर्थ निकलता है कि हम संपूर्ण मनुष्य जाति के कल्याण की कामना कर रहे हैं। इसे कोई और अर्थ देने का अथवा कोई और मंतव्य निकालने का मतलब 'एकम सत्य' की मूल भावना को ही नकारना होगा। ऐसा ही एक मंतव्य हमारे संविधान में दिये गये शब्द 'सेक्युलर' या 'पंथ-निरपेक्ष' का निकालने की कोशिश की जा रही है। कहा यह भी जा रहा है कि यह शब्द मूल संविधान में नहीं था, इसे संविधान में संशोधन करने के बाद जोड़ा गया। सही है यह बात। हमारे संविधान के निर्माताओं ने सेक्युलर या धर्म-निरपेक्ष शब्द जोड़ने से इंकार किया था। संविधान सभा में के.टी. शाह ने एक संशोधन प्रस्ताव रखते हुए 'भारत धर्म-निरपेक्ष, संघीय समाजवादी राज्यों का संघ होगा' शब्द जोड़ने का आग्रह किया था।

तब बाबा साहेब अंबेडकर ने यह कहकर प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था कि धर्मनिरपेक्षता संविधान की संरचना में ही निहित है। जवाहरलाल नेहरू ने अंबेडकर की बात से सहमति जतायी थी। संविधान सभा में तब यह भी कहा गया था कि आने वाली पीढ़ियां यदि चाहेंगी तो आवश्यकता के अनुसार शब्द जोड़ सकती हैं। वर्ष 1976 में, आपातकाल के दौरान, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यही किया था। संविधान के 42वें संशोधन के अनुसार तब संविधान के आमुख में 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द जोड़े गये थे। आपातकाल घोषित करने के लिए इंदिरा गांधी को किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता, पर बयालीसवें संशोधन की उपयोगिता को नहीं नकारा जाना चाहिए। सेक्युलरिज्म का यह अर्थ कदापि नहीं है कि सरकार धर्म-विरोधी है। संविधान में इसे जोड़ने का उद्देश्य सिर्फ इस बात को रेखांकित करना है कि देश की सरकार किसी धर्म विशेष को प्रश्रय नहीं देगी। उसकी दृष्टि में सब नागरिक समान हैं, भले ही नागरिक किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो। सरकार का कोई धर्म नहीं होगा। सरकार की दृष्टि में सब धर्म समान होंगे का अर्थ सिर्फ यही है कि धर्म-निरपेक्ष भारत में सरकार किसी भी धर्म विशेष के प्रति कोई विशेष आग्रह नहीं रखेगी।

सब धर्म समान हैं, सब धर्मों का लक्ष्य एक है। यह लक्ष्य है मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना। यदि हम इस बात को समझ लेते हैं, स्वीकार कर लेते हैं तो किसी भी भारतीय के प्रति हमारे मन में कोई द्वेष-भाव नहीं पनपेगा। हमारा साझा आंगन होगा, हमारा साझा चूल्हा होगा। यही धर्म-निरपेक्षता है। धर्म-निरपेक्षता का अर्थ धर्म का विरोध नहीं है, सर्व धर्म समभाव है। लोगों को उनकी जाति और धर्म के बावजूद प्यार करना ही धर्म-निरपेक्षता की भावना को समझना है। हमारे लिए यह समझ नयी नहीं है। सच तो यह है कि हमारी समावेशी संस्कृति भी हमें यही संदेश देती है। हाल ही में भारतरत्न से सम्मानित लालकृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1998 में संविधान की समीक्षा के संदर्भ में लिखे अपने एक लेख में कहा था, 'सेक्युलरिज्म भारत की संस्कृति में है'। आडवाणी जी तब देश के गृहमंत्री थे। कुछ ऐसी ही बात सन 2015 में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी कही थी। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा था 'भारत सिर्फ इसलिए सेक्युलर नहीं है, क्योंकि यह हमारे संविधान में है। भारत सेक्युलर है क्योंकि सेक्युलरिज्म हमारे डी.एन.ए में है।'

कभी इकबाल ने कहा था, हिंदी हैं हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा'। यहां हिंदी का अर्थ हिंदू नहीं है, हिंदुस्तानी है, भारतीय है। हम चाहे किसी भी धर्म को मानने वाले क्यों न हों, हमारी पूजा-पद्धति चाहे कैसी भी क्यों न हों, हम सब पहले भारतीय हैं। अपने आप को, या किसी को भी मंदिर-मस्जिद अथवा ईश्वर-अल्लाह में बांटकर देखना, सच पूछें तो मनुष्यता के प्रति एक अपराध है। धर्म का यह वैविध्य हमारी विशेषता ही नहीं, हमारी ताकत भी है। इस विविधता को बनाये रखने की आवश्यकता है, इस ताकत को बचाये रखने, इसे और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। सवाल यह है कि यह कैसे हो? इस प्रश्न का उत्तर भी उसी भजन में है जिसे गांधीजी रोज सुबह अपनी प्रार्थना-सभा में गाया करते थे- ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान।

चिड़चिड़ापन दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये हेल्दी फूड्स

आज के लाइफस्टाइल में तनाव से हर दूसरा शख्स जूझ रहा है। दिनभर की भाग-दौड़ में कई ऐसी वजह होती हैं जिनसे मूड खराब हो जाता है। क्या आप भी गुस्से में लोगों को भला-बुरा सुना देते हैं जिसके कारण लोग आपसे किनारा करने लगे हैं। आपका मूड भी अक्सर खराब रहता है तो इसके पीछे हार्मोनल इम्बैलेंस एक बड़ी वजह है। खराब मूड का असर सिर्फ आपकी मेंटल हेल्थ पर ही नहीं पड़ता है, बल्कि ये आपके आसपास के लोगों के लिए भी परेशानी बन जाता है। चिड़चिड़ेपन के चलते अक्सर लोग सामने वाले को ऐसा कुछ बोल बैठते हैं, जिससे रिश्ते खराब हो जाते हैं। क्या आप जानते हैं इसके लिए शरीर में हैप्पी हार्मोन्स की कमी जिम्मेदार होती है। तो इसके लिए कुछ ऐसे फूड्स हैं जिन्हें डाइट में शामिल करके आप भी बॉडी में इन हार्मोन्स का लेवल बढ़ा सकते हैं और अपनी सोशल लाइफ को हेल्दी बना सकते हैं।

प्रोबायोटिक फूड्स

पनीर, दही और फर्मेंटेड सोयाबीन जैसी चीजें प्रोबायोटिक फूड्स में आती हैं। इन्हें खाने से आपका मूड बेहतर हो सकता है, क्योंकि इनके सेवन से बॉडी में कुछ ऐसे हार्मोन्स रिलीज होते हैं जिनसे आप भी अच्छा फील कर सकते हैं।

सैल्मन फिश

सैल्मन फिश के सेवन को भी मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है। अगर आप नॉन वेज में एक बेस्ट ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो सैल्मन स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बढ़िया विकल्प है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसे खाएंगे तो डिप्रेशन के लक्षणों को भी कम कर सकते हैं।

विटामिन-सी युक्त फूड्स

इम्यून सिस्टम के साथ-साथ विटामिन सी से भरपूर फूड्स आपके स्ट्रेस हार्मोन के लेवल को भी कम कर सकते हैं। इसके लिए आप संतरा, नींबू, अनानास, कीवी और आलूबुखारा जैसे फल खा सकते हैं।

अच्छी नींद लेना भी जरूरी

इसके अलावा खराब और चिड़चिड़े मूड के पीछे एक बड़ी वजह नींद न पूरा होना भी है। कम से कम 8 घंटे की नींद आपके शरीर में हैप्पी हार्मोन बनाने के लिए जरूरी है। इससे दिमाग तो शांत रहता ही है, साथ ही दिनभर के काम के लिए प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, गोभी, मटर और खीरे जैसी तमाम हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम अच्छी मात्राव में पाया जाता है। ऐसे में अगर अपनी डाइट में आप इन्हें जगह देते हैं तो इससे स्ट्रेस से छुटकारा पाकर मूड ठीक करने में मदद मिल सकती है।

नट्स खाएं

सीड्स और नट्स खाने से शरीर को सेरोटोनिन बढ़ाने में मदद मिलती है। चूंकि इनमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, ऐसे में इनके सेवन से आप डिप्रेशन या स्ट्रेस को भी कम कर सकते हैं। चिया सीड्स, पंपकिन सीड्स, काजू, बादाम आदि आपके लिए बढ़िया ऑप्शन हो सकते हैं। नट्स पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ -साथ खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट हमेशा नाश्ते के रूप में नट्स खाने की सलाह देते हैं। नट्स में प्रोटीन,खनिज, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर , आयरन, निकोटिन एसिड, थायमिन और कई पोषक तत्व पाए जाते है हालांकि, अधिकांश लोगों को नट्स के सेवन का सही तरीका नहीं मालूम होता है जिसके कारण उन्हें इसे खाने के फायदें नहीं मिल पाते है।

हंसना मना है

अध्यापक ने एक बच्चे से पूछा: हजार के बाद लाख, फिर करोड़, फिर अरब आता है, अरब के बाद क्या आता है? छात्र ने कहा- सर! अरब के बाद ईरान आता है।

एल के जी के बच्चे को इम्तहान में जीरो मिला। पिता: (गुस्से से) यह क्या है ? बच्चा- पापा, मैम के पास स्टार खत्म हो गए तो उन्होंने मुझे मून दे दिया।

टीचर: तुम कहां पैदा हुए? स्टूडेंट: सर, तिरुवनंतपुरम में, टीचर: स्पेलिंग बताओ स्टूडेंट: सर, अब मुझे लगता है, मैं गोवा में पैदा हुआ था।

एक कंजूस सेठ जब मरने को हुआ तो एक रिश्तेदार ने कहा- अब तो आप मर ही रहे हैं, जाते-जाते समाज के लिए कुछ दे जाइए। सेठ: अब जान तो दे रहा हूं, इससे ज्यादा क्या चाहिए समाज को।

मोटू - तुम्हारी दादी हर समय बैठी रामायण पढ़ती रहती हैं? छोटू- हां, वह अपनी अन्तिम परीक्षा की तैयारी कर रही हैं।

लड़की- लड़के के गले लगकर बोली...कुछ ऐसा कहो की मेरा दिल जोरो से धड़क जाए, लड़का- ऐसे ही खड़ी रह चुपचाप...पीछे तेरा बाप खड़ा है...

कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक लोमड़ी

एक बार की बात है किसी जंगल में एक कौआ रहता था। हर कोई उससे दूर ही रहता था, क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज में गाता रहता था और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन वह भोजन की तलाश में जंगल से दूर गांव की ओर निकल कर आ गया। उस कौए को वहां से एक लोमड़ी जाती हुई दिखी। वह लोमड़ी बहुत तेजी से भूखी थी। उसने कौवे के पास रोटी देखी और रोटी को किसी भी तरह खाने का विचार करने लगी। जैसे ही कौआ रोटी खाने को हुआ, नीचे से लोमड़ी की आवाज आई अरे कौआ महाराज, मैंने सुना है कि यहां पर बहुत सुरीली आवाज में कोई गाना गाता है, क्या वो आप हैं। लोमड़ी के मुंह से अपनी आवाज की तारीफ सुनकर कौआ मन ही मन बहुत खुश हुआ और अपना सिर हां में हिला दिया। इस पर लोमड़ी बोली कि क्यों मजाक कर रहे हो महाराज। इतनी मधुर आवाज में आप गा रहे थे, मैं यह कैसे मान लूं? अगर आप गा कर बताएंगे, तो मुझे यकीन हो जाएगा। कौआ लोमड़ी की बातों में आ गया और वह उसके बिछाए जाल में फंसते हुए लोमड़ी की बात सुनकर जैसे ही गाने को हुआ, उसके मुंह में दबी रोटी नीचे गिर गई। रोटी नीचे गिरते ही लोमड़ी ने रोटी पर झपट्टा मारा और रोटी खाकर वहां से चली गई। भूखा कौआ लोमड़ी को देखता रह गया और अपने किए पर बहुत पछताया।

कहानी से सीख-इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। साथ ही ऐसे लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी झूठी प्रशंसा करते हैं। ऐसे लोग सिर्फ अपना काम निकलवाने के लिए ऐसा व्यवहार करते हैं। काम निकलते ही वह आपको भूल जाते है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन

सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

धनु

राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

कर्क

धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर
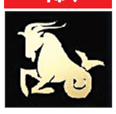
प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

सिंह
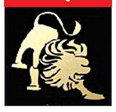
कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। व्यापार अच्छा चलेगा।

कुंभ
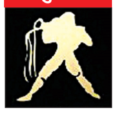
चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

कन्या

शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

हमराज 2 में बॉबी देओल संग रोमांस फरमाएंगी अमीषा पटेल

फिल्ममेकर अब्बास-मस्तान की जोड़ी बाजीगर,सोल्जर और बादशाह जैसी सफल फिल्मों के लिए जानी जाती है। इसके साथ ही बॉबी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म हमराज उनकी एक और शानदार मूवी में से एक है।

मौजूदा दौर में सीक्वल के बढ़ते ट्रेंड को देखते हुए, लंबे समय से ये चर्चा चल रही है कि हमराज का सीक्वल भी बनता हुआ नजर आएगा। इस बीच बॉबी देओल की हमराज 2 को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसमें इस फिल्म के सीक्वल को लेकर बड़ा अपडेट दिया गया है।

सनी देओल की फिल्म गदर 2 की बंपर सक्सेस के बाद से ये सुर्खियां काफी तेज हुई की अमीषा पटेल अपनी करियर की हिट फिल्म हमराज के पार्ट 2 में भी नजर आएंगी, जिसके लेकर मेकर्स ने विचार करना शुरू कर दिया। अब जब हमराज में अमीषा के को-स्टार बॉबी देओल की भी एनिमल से लॉटरी निकल पड़ी तो यकीनन तौर पर निर्माता हमराज 2 के लिए कॉन्फिडेंट हो गए।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक अब्बास-मस्तान और रतन जैन हमराज 2 को लेकर प्लानिंग कर रहे हैं और लगभग 100 स्क्रिप्ट आइडिया के बाद उन्हें कुछ पसंद आया है, जिसको लेकर वह हमराज की कहानी को आगे बढ़ाएंगे। फिलहाल फिल्म की कहानी को पेपर पर लिखा जा रहा है,

जो जल्द ही फाइनल हो जाएगी। बताया ये भी जा रहा है कि मेकर्स इस मूवी में पुरानी स्टार कास्ट अक्षय खन्ना, बॉबी देओल और अमीषा पटेल के साथ लौट सकते हैं। हालांकि जब तक स्टार कास्ट की घोषणा नहीं की जाती, तब तक कुछ भी आधिकारिक नहीं माना जा सकता।

साल 2002 में हमराज को रिलीज किया गया था। इस फिल्म की कहानी लव ट्रायंगल पर आधारित थी, जिसमें अक्षय खन्ना खलनायक के रोल में दमदार दिखे। इतना ही नहीं इस मूवी के गानों ने भी फैंस के ऊपर अपनी खास छोड़ी। शानदार कहानी और दमदार एक्टिंग की बदौलत हमराज बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।

गुडाचारी 2 में हुई इमरान हाशमी की एंट्री?

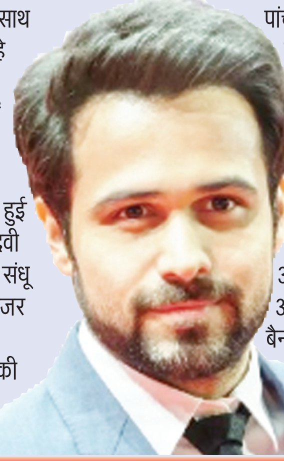

अभिनेता इमरान हाशमी टाइगर 3 के बाद से लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म में अभिनेता विलेन के किरदार में नजर आए, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। बीते दिनों खबर आई थी कि वे डॉन 3 में हिस्सा रहेंगे। वहीं, अब अभिनेता से जुड़ी एक और खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान अदिवी शेष की फिल्म गुडाचारी 2 में काम करेंगे। इस खबर के सामने आने के बाद उनके फैंस अदिवी के साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुडाचारी 2 के निर्माता टाइगर 3 में उनके खलनायक के किरदार से काफी प्रभावित हुए हैं। जिसके बाद फिल्म के निर्माता जी 2 के लिए इमरान के साथ सहयोग करना चाह रहे हैं। हालांकि, इमरान की जी2 के निर्माताओं के साथ बातचीत के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुडाचारी 2 में अदिवी शेष के अलावा बनिता संधू भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

गुडाचारी 2 देश की सबसे बड़ी जासूसी फ्रेंचाइजी में से एक है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल हैदराबाद में शुरू हुई थी। इसके लिए पांच मंजिला ग्लास सेट का निर्माण किया गया था।

बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग विदेश में भी की गई है। इस फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद और अभिषेक अग्रवाल ने किया है। वहीं, अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स आर के एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है।

इस फिल्म का निर्देशन विनय कुमार सिरिगिनेडी कर रहे हैं। फिल्म गुडाचारी ने 2018 में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इस फिल्म में अभिनेता अदिवी शेष मुख्य भूमिका में थे। इस पैन इंडिया फिल्म की सफलता के बाद दर्शकों ने निर्माताओं से दूसरे पार्ट बनाने की मांग उठाई, जिसके बाद निर्माताओं ने इसका दूसरा पार्ट बनाने की घोषणा की। बता दें कि जी2 फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां गुडाचारी ने कहानी छोड़ी थी, जिसमें गोपी उर्फ एजेंट 116 बर्फीले इलाके में दुश्मन का सामना करेगा। जासूसी थ्रिलर के पहले लुक में अदिवी शेष को एक्शन से भरपूर अवतार में देखा गया और प्रशंसकों द्वारा इसे खूब सराहा गया।

इमरान हाशमी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता वर्ष 2023 में रिलीज हुई फिल्म टाइगर 3 में नजर आए थे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं इतना बड़ा स्टार नहीं हूं कि कुछ भी कर सकूं : सैफ अली

साउथ के दिग्गज स्टार प्रभास और कृति सेनन की फिल्म आदिपुरुष 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमाम विवादों के बीच दर्शकों को इस फिल्म ने निराश किया। 600 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत की आधा भी वसूलने में कामयाब नहीं हुई। फिल्म में दिखाए किरदार और डायलॉग्स विवाद का कारण बने। फिल्म बम्पर ओपनिंग तो मिली, लेकिन फिल्म धीरे धीरे नीचे गिरती गई। अब लंबे समय के बाद फिल्म में रावण का किरदार निभाने वाले सैफ अली खान ने आदिपुरुष की असफलता पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, सैफ ने कहा कि वह खुद को एक ऐसे स्टार के रूप में नहीं देखते हैं जो हर तरह की परियोजनाएं शुरू कर सकता है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर अपनी 2019 की वेस्टर्न फिल्म लाल कप्तान का हवाला दिया। नवदीप सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म रिलीज के पहले दिन मुश्किल 50 लाख रुपये का आंकड़ा पार कर सकी। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं इतना बड़ा स्टार नहीं हूं कि कुछ भी कर सकूं। सैफ ने आगे कहा, मुझे सच्चाई पसंद है और मैंने कभी भी अपने आप को एक स्टार के रूप में नहीं सोचा है। मुझे स्टार बनना पसंद है, लेकिन मैं भ्रमित नहीं होना चाहता। मेरे माता-पिता बड़े सितारे रहे हैं, लेकिन बहुत सामान्य सा व्यक्ति हूं। जीवन में अपने सपने सच करने के लिए और भी बहुत कुछ है। मेरा ध्यान हमेशा उसी पर रहा है। मुझे लगता है कि हमें कभी असफलता से डरना नहीं चाहिए। आदिपुरुष की असफलता पर अभिनेता ने कहा, उस फिल्म को लेकर लोग कहते है कि वह एक साहसी विकल्प था। लोग जोखिमों के बारे में बात करते हैं, लेकिन यदि आप मुंह के बल गिरते हैं, तो फिर इसे जोखिम कहना भी ठीक नहीं है। आपको इसे टालना होगा, बुरा महसूस करना होगा और कहना होगा, अच्छी कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य था। चलो अगले पर चलते हैं। आपको बता दें कि आदिपुरुष में प्रभास के अलावा कृति सेनन, सैफ अली खान, सनी सिंह और देवदत्त नागे अहम भूमिकाओं में हैं।

वो चार तरीके, जिससे आप पहचान जाएंगे कि सांप जहरीला है या नहीं

भारत में चार तरह के जहरीले सांप हैं। ये हर साल हजारों लोगों को डंसते हैं और कई लोगों की मौत हो जाती है। अगर किसी को डंस लें तो ये जान पाना काफी मुश्किल होता है कि सांप जहरीला था या नहीं। लेकिन एक्सपर्ट ने 4 ऐसे तरीके बताए हैं, जिनसे आप इन्हें आसानी से पहचान जाएंगे। इससे भी जरूरी बात, अगर सांप ने डंस लिया तो बिना कुछ सोचे अस्पताल जाएं। सांप की आंखें बता सकती हैं कि वह जहरीला है या नहीं। विषैले सांपों की पुतलियां आम तौर पर कटी हुई या अंडाकार होती हैं, जबकि गैर विषैले सांपों की पुतलियां आमतौर पर गोल होती हैं। बिल्ली की आंख की तरह, अधिकांश विषैले सांपों की पुतलियां पतली, काली, ऊर्ध्वाधर होती हैं जो पीले-हरे नेत्रगोलक से घिरी होती हैं। हालांकि, इसमें भी कुछ अपवाद है। जैसे मूंगा सांप की पुतलियां गोल होती हैं। इसलिए अगर आपका सामना सांप से हो जाए तो दूर रहना ही बेहतर है। उसे पहचानने की कोशिश न करें। एक रिपोर्ट के मुताबिक, गैर विषैले सांपों का सिर गोल होता है, जबकि विषैले सांपों का सिर अधिकतर त्रिकोणीय आकार का होता है। हालांकि, जहरीले सांप के सिर का आकार डरा सकता है। हालांकि, कुछ गैर विषैले सांप भी अपने सिर को चपटा करके गैर विषैले सांपों के त्रिकोणीय आकार की नकल करते हैं, ताकि शिकारी भाग जाएं। ज्यादातर विषैले सांपों के सिर पर छेद यानी एक तरह का गड्ढा होता है। उनके थूथन पर दो गड्ढे दिखाई देते हैं। इसी से सांप शिकार का पता लगाते हैं। इसलिए भले ही सांप मर गया हो या सिर काट दिया गया हो, सिर को छूने से बचें। इसका खतरा हो सकता है। जहरीले सांपों को पहचानने का एक और तरीका उनका व्यवहार है। हालांकि, सिर्फ एक्सपर्ट ही इनमें फर्क कर सकते हैं। विषैले सांप जब किसी को करीब आते देखते हैं तो जोर से फुफकार मारते हैं। वे डराने की कोशिश करते हैं। पूंछ तेजी से हिलाने लगते हैं। ज्यादातर विषैले सांप पानी के करीब रहना पसंद करते हैं। लेकिन इंडियन सांपों में यह व्यवहार अलग होता है। वे गर्म जगहों पर भी रहते हैं। रंग से भी आप इन्हें पहचान सकते हैं। जैसे भारत में मिलने वाले ज्यादातर विषैले सांप पीले, भूरे और काले रंग के होते हैं। लेकिन फिर भी इनकी पहचान करने से ज्यादा अच्छा है कि आप इनसे दूर ही रहें।

अजब-गजब | पैदा होते ही मां को मार देता है ये जीव

यह जानवर जमाता है मां की पीठ पर डेरा, नोच-नोचकर खा जाता है सारा मांस

हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वो सिर्फ हमारा ही नहीं लाखों-करोड़ों जीव-जंतुओं का भी घर है। हम इनमें से कुछ से तो परिचित हैं और कुछ को जानते ही नहीं। इसके अलावा भी कुछ जीव ऐसे भी हैं, जिन्हें हम पहचानते हैं लेकिन उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। आज एक ऐसे ही जीव के बारे में हम आपको ऐसा खौफनाक तथ्य बताएंगे कि सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे।

हम बात कर रहे हैं ऐसे खतरनाक जीव के बारे में, जो पैदा होते ही अपनी मां के लिए काल बन जाता है। बिच्छू के जहर से तो हम सभी वाकिफ हैं कि इसकी जरा सी मात्रा भी एक अच्छे-भले इंसान की जान लेने के लिए काफी है। अगर बिच्छू काटने पर समय से इसका इलाज न कराया जाए तो इंसान की जान जाने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि इस जीव के खौफनाक होने का अंदाजा आप इसके जन्म की कहानी से ही लगा सकते हैं।

आमतौर पर छोटे जीवों का शिकार करने वाले बिच्छू अपने डंक के माध्यम से अपना जहर शिकार के शरीर में छोड़ देते हैं। इनके ज़हर ने शिकार अपाहिज हो जाता है और ये उसे ज़्दि ही खा जाते हैं। इसके अलावा अगर हम मादा बिच्छू की बात करें तो एक मादा बिच्छू एक बार में करीब-करीब 100 बच्चों को जन्म देती है, जो बाद में अपनी मां को ही खा जाते हैं। हैरानी की बात ये है कि उनकी मां उन्हें सुरक्षित जगह पर ले जाती है लेकिन वो उसकी ही जान के दुश्मन बन जाते हैं।

बच्चे मादा बिच्छू की पीठ पर तब तक बैठे रहते हैं जब तक कि वे उसे खाकर खोखला न कर दें। पैदा होते ही वो अपनी मां की पीठ से चिपक जाते हैं और उनकी मां का शरीर ही उनका भोजन बन जाता है। जब तक मां बिच्छू के शरीर का सारा मांस खत्म नहीं हो जाता और वो खोखली होकर मर नहीं जाती, तब तक बच्चे उसकी पीठ से नहीं उतरते। जैसे ही मां का सारा मांस नोचकर बिच्छू खा जाते हैं, वैसे ही उसकी पीठ से वो उतरकर स्वतंत्र रूप से रहने लगते हैं।

अग्निवीर योजना देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ : श्रीनेत

कांग्रेस प्रवक्ता ने राष्ट्व्यापी अभियान 'जय जवान अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध' के बारे में दी जानकारी

» बेरोजगार युवाओं को न्याय प्रदान करना कांग्रेस का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव करीब आता देख अब राजनीतिक दलों ने एक-दूसरे पर जुबानी हमले तेज कर दिए हैं। इस बीच कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अध्यक्ष सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म सुप्रिया श्रीनेत ने अग्निवीर योजना पर सरकार को घेरते हुए देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगाया और राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्व्यापी अभियान 'जय जवान अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध' के माध्यम से युवा न्याय के तहत देश के युवाओं की आवाज कांग्रेस पार्टी द्वारा बुलंद करने की बात कही।

श्रीनेत ने कहा कि यह अभियान 1.5 लाख युवाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालता है, जिन्हें कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरने के बाद 2019 और 2022 के बीच एक नियमित भर्ती अभियान में हमारी 3 गौरवशाली सैन्य बलों-भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में स्वीकार किया गया था, लेकिन उन्हें सारी प्रक्रियाओं के बाद भी भर्ती से वंचित कर दिया गया, क्योंकि मोदी सरकार ने अचानक सशस्त्र बलों पर अग्निपथ योजना थोप दी।

अग्निपथ योजना लागू होने पर 1.5 लाख युवाओं से छीनी गई नौकरियां हों वापस

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 'जय जवान' अभियान की दो महत्वपूर्ण मांगें हैं। नंबर एक- अग्निपथ योजना लागू होने पर 1.5 लाख युवाओं से क्रूरतापूर्वक छीनी गई नौकरियां वापस करें। दूसरी, रक्षा बलों में पुरानी भर्ती प्रणाली को बहाल करें, अग्निपथ योजना को खत्म करें और बलों में शामिल सभी अग्निवीरों को स्थायी दर्जा प्रदान करें। राष्ट्व्यापी 'जय जवान' अभियान 3 चरणों में आयोजित किया जा रहा है और 31 जनवरी से शुरू हुआ यह अभियान 20 मार्च तक चलेगा। पहले चरण में संपर्क (जन संपर्क) अभियान चलाया जाएगा। इसका लक्ष्य 30 लाख परिवारों तक पहुंचना है। यह अभियान 1 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा। सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि पूर्व लॉन्च गतिविधियों में, पूर्व सैनिकों को देश के सभी संसदीय क्षेत्रों में प्रेस कॉन्फ्रेंस और विरोध प्रदर्शन आयोजित करके देश में सही माहौल बनाने का काम सौंपा गया था, जो पहले से ही 300 से अधिक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित किए जा चुके हैं।

अग्निवीरों की सेवाओं को किया जाए स्थायी

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि सभी ईएसएम संगठनों ने सर्वसम्मति से आवाज उठाई है कि 1.5 लाख चयनित उम्मीदवारों को तुरंत ज्वाइनिंग दी जानी चाहिए और अग्निपथ योजना को खत्म कर दिया जाना चाहिए और सभी अग्निवीरों की सेवाओं को स्थायी किया जाना चाहिए। दूसरे चरण को सत्याग्रह नाम दिया गया है, जिसका लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं और उनके परिवारों तक पहुंचना होगा। साथ ही उनकी जानकारी इकट्ठा करना और उन्हें चल रहे अभियान के बारे में जागरूक करके शामिल करना प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं से आंदोलन में शामिल होने और समर्थन करने का अनुरोध किया जाएगा। 'न्याय पत्र' परिवारों द्वारा अपने हस्ताक्षर के साथ भरा जाएगा और यह जानकारी डिजिटल रूप में दर्ज की जाएगी, साथ ही न्याय पत्र का स्टिकर घर के दरवाजे पर लगाया जाएगा। हजारों प्रभावित युवाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। मोदी सरकार के निर्देशों के तहत दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति रद्द कर रही है।

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों के लिए वज्रपात

तीसरा चरण, जिसका नाम न्याय यात्रा (पदयात्रा) रखा गया है, यह 17 मार्च से 20 मार्च तक चलेगा। इसमें सभी जिलों में 50 किलोमीटर तक पदयात्रा निकालने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक जिले में सैनिकों के लिए 'न्याय यात्रा' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 किलोमीटर की पदयात्रा की जाएगी। यह यात्रा संयोजक समिति और न्याय योद्धाओं के नेतृत्व में निकाली जाएगी। 'जय जवान' अभियान 'युवा न्याय' का भाग है। हमारे बेरोजगार युवाओं को न्याय प्रदान करना और उनके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बड़ा लक्ष्य है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे (सेवानिवृत्त) के अनुसार अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों के लिए 'अचानक हुए वज्रपात' बनकर आई है, क्योंकि उनके अनुसार, इसे केवल भारतीय सेना में लागू किया जाना था, लेकिन बाद में इसे भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना पर भी लागू कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर में आम नागरिक भी नहीं है सुरक्षित : अब्दुल्ला

» प्रदेश में अपने ही लोगों की कराई जा रही जासूसी

» युवाओं को नहीं मिल रहीं नौकरियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में गैर-स्थानीय युवकों की लक्षित हत्याओं की निंदा करते हुए भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी प्रदेश में हालात सामान्य होने का दावा करती है, लेकिन यहां तो आम नागरिक भी सुरक्षित नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के बाद यह बातें कहीं।

इस दौरान उमर ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपने ही नागरिकों की जासूसी कराई जा रही है। अब पुलिसकर्मी घर-घर जाकर पूछताछ कर रहे हैं। पूरे खानदान की तस्वीरें व अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं, जबकि ये काम जनगणना विभाग का होता है। सरकार को अब अपने ही लोगों पर भरोसा नहीं रह गया है। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में लोगों को परेशान किया जा रहा है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। प्रदेश में सभी ठेके बाहरी लोगों को दिए जा रहे हैं। बिजली, पानी, रेत व अन्य संसाधन बाहर भेजे जा रहे हैं।

जहां भाजपा की जीत तय नहीं होती, वहां नहीं कराती है चुनाव: उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सालों से चुनाव नहीं कराए गए हैं। परिसीमन का बहाना कर निकाय-पंचायत चुनाव को भी टाल दिया गया। जबकि इन्हें पहले ही परिसीमन पूरा कर लेना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को चुनाव में जहां जीत तय नहीं होती वहां चुनाव कराए ही नहीं जाते या फिर धांधली करा दी जाती है। मुंबई में मेयर के दो साल से चुनाव नहीं कराए गए। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जो गड़बड़झाला किया उसके लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने इस कृत्य को लोकतंत्र के कातिल कह दिया। दरबार मूव बंद किए जाने को लेकर उमर ने प्रदेश सरकार की अलोचना की। उन्होंने कहा कि अब जम्मू में रौनक नहीं लगती। अब अफसर अपनी मर्जी से कभी जम्मू बैठ जाते हैं तो कभी श्रीनगर। लेकिन दरबार मूव होने पर यह तय होता था कि छह महीने जम्मू और छह महीने श्रीनगर।

एसडीएम स्तर के 12 पीसीएस अधिकारियों के हुए तबादले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने बृहस्पतिवार को उपजिलाधिकारी स्तर के करीब 12 पीसीएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया है। नियुक्ति विभाग ने इन आदेशों के बारे में यहां कोई जानकारी नहीं दी है। तबादलों को लेकर कोई भी सूची जारी नहीं की गई है।

डीजीपी मुख्यालय ने दो आईपीएस अधिकारियों को विजिलेंस में तैनात किया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने के बाद डीजीपी मुख्यालय में प्रतीक्षारत आईजी मंजिल सैनी और लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट से हटाने के बाद डीजीपी मुख्यालय में एसपी (मुख्यालय) बनाए गए एसएम कासिम आबिदी को विजिलेंस में तैनाती दी गई है।

महाराष्ट्र में ऐसी अराजकता पहले कभी नहीं रही : आदित्य

» संजय राउत ने मांगा देवेंद्र फडणवीस का इस्तीफा

» शिवसेना यूबीटी नेता की लाइव हत्या मामले में शिंदे सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में उद्धव ठाकरे गुट के नेता की हुई लाइव हत्या ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। इस घटना के बाद अब शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट समेत पूरा विपक्ष भाजपा-शिंदे सरकार पर हमलावर है। अब इस घटना को लेकर ही आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे वाली एनडीए सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि आज से पहले महाराष्ट्र की किसी सरकार में इतनी अराजकता कभी नहीं रहीं।

गौरतलब है कि मॉरिस नोरोन्हा नाम के एक हमलावर ने अभिषेक घोसालकर को मुंबई के दहिसर इलाके में लाइव चैट पर गोली मार दी थी। बाद में हमलवार ने खुद को भी गोली मार ली थी। हमले के बाद आदित्य ठाकरे ने एक्स पर शिंदे सरकार पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के तहत कानून व्यवस्था चरमरा गई है। महाराष्ट्र ने ऐसी अराजकता पहले कभी नहीं देखी।

महाराष्ट्र में गुंडों का राज : संजय राउत

संजय राउत ने सीएम शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से इस्तीफे की मांग की है। राउत ने ट्वीट कर कहा कि महाराष्ट्र में गुंडो का राज है। राउत का दावा है कि आरोपी चार दिन पहले मुख्यमंत्री आवास में था, उसने सीएम से मुलाकात की थी। फडणवीस गृह मंत्री के रूप में पूरी तरह विफल हो गए। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

कांग्रेस ने भी साधा निशाना

उद्धव गुट के नेताओं के बाद कांग्रेस ने भी राज्य सरकार के खिलाफ हमला किया। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि यह जंगल राज की शुरुआत है। महाराष्ट्र में कानून का शासन नहीं है। राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा चुकी है।

पुलिस को अवैध हथियार का संदेह

मुंबई पुलिस की मानें तो हमलावर के खिलाफ कोई लाइसेंसी बंदूक जारी नहीं की गई है। पुलिस को संदेह है कि गोलीबारी के लिए इस्तेमाल किया गया हथियार अवैध है। पूरा मामला मुंबई पुलिस की अपराध शाखा को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच जारी है।

फाइनल में भारत के सामने होंगे कंगारू

अंडर-19 विश्वकप : रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में कंगारू टीम ने 1 विकेट से बाजी मारी और फाइनल में एंट्री कर ली है। अब फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की टक्कर भारतीय टीम से होगी। यह खिताबी मुकाबला रविवार 11 फरवरी को बेनोनी में ही खेला जाएगा।

179 रनों पर सिमटी पाकिस्तान

दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टॉस हारकर पाकिस्तान टीम ने पहले बैटिंग करते हुए बेहद खराब शुरुआत की और पूरी टीम 179 रनों पर ही सिमट गई। मैच के दौरान पाकिस्तान टीम की हालत बेहद खराब दिखी। उन्होंने 79 रन पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद अजान अवैस (52) और अराफात मिन्हास (52) ने फिफ्टी जड़कर पाकिस्तान को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

आखिरी विकेट के लिए तरसी पाक टीम

180 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 164 रनों पर 9 विकेट गंवा दिए थे। उसे 24 गेंदों पर जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। यहीं से सांसें रोक देने वाला रोमांच शुरू हुआ। मगर राफ मैकमिलन ने नाबाद 19 रन बनाकर पूरी बाजी ही पलट दी। मैकमिलन का साथ कैलम विडलर ने दिया, जो 9 गेंदों पर 2 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तानी गेंदबाज आखिरी ओवर तक मैच विनिंग विकेट लेने के लिए तरसते रहे, लेकिन कंगारुओं ने बाजी मार ली। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 9 विकेट गंवाकर 181 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस तरह कंगारू टीम ने फाइनल में एंट्री कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के लिए हैरी डिक्सन ने सबसे ज्यादा 50 और ओलिवेर पीक ने 49 रनों की पारी खेली।

यूपी विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, वितमंत्री सुरेश खन्ना व विपक्षी नेता शिवपाल यादव समेत कई अन्य माननीय।

राबड़ी देवी को मिली बड़ी राहत

» लैंड फॉर जॉब मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 28 फरवरी तक दी अंतरिम जमानत

» मीसा भारती व हेमा को भी मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। कोर्ट ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में तीनों को 28 फरवरी तक अंतरिम जमानत दे दी है। विशेष न्यायमूर्ति विशाल गोगने ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उस दावे के बाद तीनों आरोपियों को जमानत दे दी कि उसे उनकी नियमित जमानत याचिका पर दलीलें दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

विशेष कोर्ट (धन शोधन निवारण अधिनियम) ने मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत के बाद बिहार की लालू परिवार के कई सदस्यों को समन किया था। इसमें लालू यादव की पत्नी राबड़ी, उनकी बेटियां मीशा और हेमा शामिल थीं। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने 8 जनवरी को पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत अमित कत्याल, राबड़ी देवी, मिशा भारती, हेमा यादव, हृदयानंद चौधरी और दो कंपनियों मेसर्स ए के इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स ए बी एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) दाखिल की थी। शिकायत नौकरी के लिए भूमि घोटाले मामले में विशेष न्यायालय (पीएमएलए) नई दिल्ली के समक्ष पेश की गई। विशेष कोर्ट ने 27 जनवरी को इस पर संज्ञान लिया और आरोपी व्यक्तियों को आगे की सुनवाई के लिए 9 फरवरी को उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया था।

ईडी ने किया था दावा

ईडी ने बिहार में जमीन के बदले नौकरी मामले में बड़ा दावा किया था कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्ययमंत्री राबड़ी देवी की गौशाला के एक पूर्व कर्मचारी ने रेलव में नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्ति से संपत्ति हासिल की और बाद में उसे लालू-राबड़ी दंपती की पुत्री हेमा यादव को सौंप दी। केंद्रीय एजेंसी ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली की एक अदालत में आरोप-पत्र दायर किया था, जिसमें कुछ बाहरी लोगों के अलावा लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों राबड़ी देवी, मीसा भारती हेमा यादव को आरोप बनाया गया है।

कल एनसीपी में शामिल होंगे बाबा सिद्दीकी : अजित

» बोले- शिवसेना (यूबीटी) पार्षद की हत्या की होनी चाहिए जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद अब महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी शनिवार 10 फरवरी को अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल हो सकते हैं। इस बात की पुष्टि खुद महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने की है। उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी 10 फरवरी की शाम को एनसीपी में शामिल होंगे और 11 फरवरी को कुछ और लोग भी पार्टी का दामन थामेंगे।

बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी को 'बाबा सिद्दीकी' के नाम से भी जाना जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के एक महीने के भीतर शहर के दूसरे नेता ने कांग्रेस को अलविदा कहा है। सिद्दीकी के बेटे जीशान शहर से कांग्रेस विधायक हैं। हालांकि, बाबा सिद्दीकी ने कहा कि जीशान अपना फैसला खुद लेंगे। पुणे में शिवसेना (यूबीटी) के पार्षद अभिषेक घोसालकर की हत्या पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आज मौनी अमावस्या का पर्व मनाया जा रहा है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान पुण्य करने का विशेष महत्व है। इसी मान्यता के चलते रामनगरी अयोध्या में भी लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। सरयू में डुबकी लगाकर मंदिरों में दर्शन-पूजन करते हैं। अयोध्या में पांच लाख श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। इसके चलते यहां यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया है। गुरुवार शाम से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है।

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में लाखों श्रद्धालु स्नान करते हैं। पूर्वांचल के श्रद्धालुओं का हुजूम प्रयागराज स्नान के बाद अयोध्या में भी उमड़ता है। ऐसे में शुक्रवार व शनिवार को रामनगरी में प्रयागराज से लौटने वाले श्रद्धालुओं का दबाव रहेगा। यहां पहले से ही रोजाना दो लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

उद्यान अधीक्षक पर क्यों नहीं लागू स्थानांतरण नीति

» दशकों से राजधानी में ही जमे हैं गंगाराम गौतम

» विभाग व शासन की स्वच्छ छवि को लगा रहे पलीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम जो कि उद्यान विभाग के सबसे बड़ा ठेकेदार भी हैं, वो नगर विकास विभाग की स्थानांतरण नीति से भी परे है। क्योंकि उन पर यह नीति लागू ही नहीं हो रही है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि लगभग 20 सालों से उद्यान अधीक्षक के पद पर जमे हुए गंगाराम गौतम का कार्यकाल ही बता रहा है।

गौतम इस पद पर बैठे-बैठे मोटी कमाई कर रहे हैं। क्योंकि उनके भाई की फर्म भी नगर निगम में रजिस्टर्ड है और गंगाराम अपने चहेतों ठेकेदारों से भी मिलीभगत कर ऊपरी कमाई कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि गंगाराम गार्डन विभाग की फाइलों को माली से बनवाकर भाई की फर्म या चहेते ठेकेदारों की फर्म में हिस्सेदारी के माध्यम से काम कर विभाग को कई सालों से लूट रहा है और चूना लगा रहा है।

पार्कों के विकासीकरण के टेंडर में किया खेला

इससे पहले भी गंगाराम के खिलाफ 15वें वित विभाग के माध्यम से बनी पत्रावलियों पर खेल किया गया था। लेकिन अपनी सेटिंग करके व जुगाड़ लगाकर वह बच गया और लखनऊ में ही जमा हुआ है। अब एक बार फिर गंगाराम ने अपने भाई की फर्म व अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिलाने के लिए एक बड़ा खेल किया। दरअसल, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने इस मकड़ जाल से निजात पाने के लिए गार्डन विभाग में पार्कों के अनुरक्षण तथा डेवलपमेंट के लिए टेंडर निकाले। लेकिन गंगाराम ने उन टेंडरों को भरने के लिए भी अपने भाई की फॉर्म तथा उसके द्वारा सेटिंग किए गए ठेकेदारों की फॉर्म के अलावा अन्य ठेकेदारों को टेंडर फॉर्म ही नहीं लेने दिया।

हल्द्वानी में हिंसा के बाद पूरे उत्तराखंड में हाई अलर्ट

» सीएम धामी ने उपद्रवियों के खिलाफ सख्त एक्शन के दिए आदेश

» पूरे प्रदेश में तैनात भारी फोर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

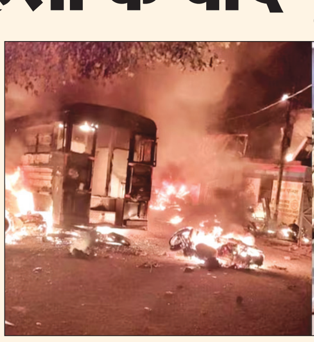

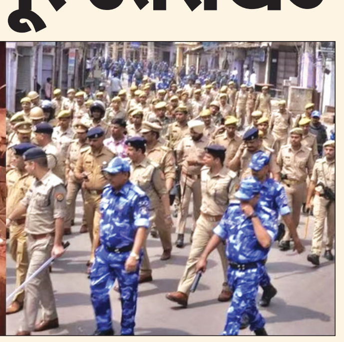

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई भयानक हिंसा ने पूरे प्रदेश में माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। बनभूलपुरा में अवैध तरीके से बने मदरसे और मस्जिद के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में उत्तरी भीड़ ने जमकर पथराव किया। हल्द्वानी शहर में सख्त कर्फ्यू लगा दिया गया है। सैकड़ों पुलिसकर्मियों समेत 300 से ज्यादा लोग घायल हुए, तो सुबह तक 6 लोगों की मौत की भी सूचना थी।

हालांकि, नैनीताल की डीएम वंदना सिंह ने दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। हालात को संभालने के लिए आसपास के जिलों से फोर्स बुलाई गई है, तो सेंट्रल फोर्स की भी तैनाती की गई है। पीएसएसी को भी मोर्चे पर लगाया गया है। सुबह हल्द्वानी में हर तरफ तबाही के निशान दिखे। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपद्रवियों के खिलाफ सख्त ऐक्शन का आदेश दिया है। राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को हल्द्वानी भेजा गया है। इस बीच पुलिस ने हिंसा में शामिल रहे लोगों के खिलाफ ऐक्शन का आगाज कर दिया है। हिंसा के बाद पूरे उत्तराखंड में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पुलिस को सतर्क किया गया है। डीएम ने दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं।

किसी विशेष संपत्ति को नहीं किया गया टारगेट: जिलाधिकारी

हल्द्वानी में हुई हिंसा को लेकर जिलाधिकारी वंदना ने पत्रकारावार्ता में कहा कि कल तीन तरीके से हमला हुआ था। पहले पत्थरबाजी की गई। फिर पेट्रोल पंप जलाया और फिर थाना फूंका गया। हमारी कल भी सुरक्षा व्यवस्था पूरी थी। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निगम की टीम जहां थाना फूंका गया वहां सफाई करने गई है। सुरक्षा व्यवस्था पूरी की गई है। डीएम ने कहा कि पंद्रह-बीस दिन से हल्द्वानी में अलग-अलग जगहों पर और उससे पहले भी उच्च न्यायालय के आदेश पर भी अतिक्रमण पर कार्रवाई हुई हैं। सरकार द्वारा भी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने के लिए जिला स्तर पर टास्क फोर्स गठित की गई। सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा के निर्देश दिए गए। सभी जगह विधिक रूप से कार्रवाई की गई है। सबकी बात सुनने के बाद हम आगे बढ़े। किसी विशेष संपत्ति को टारगेट करके नहीं किया गया। किसी को उकसाने की कोशिश नहीं की गई, लेकिन कुछ अराजकर तत्वों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।